Quadrant II – Transcript and Related Materials

Programme: Bachelor of Arts (First Year)

Subject: Hindi

Paper Code: HNA 101

Paper Title: Sampreshan Kaushal

Unit: 1

Module Name: Vachan

Module No: 08

Name of the Presenter: Ms. Tanuja Gaunkar

Notes

वचन का स्वरूप, परिभाषा -

वचन का शब्दिक अर्थ संख्यावचन होता है। संख्यावचन को ही वचन कहते हैं। वचन का एक अर्थ कहना भी होता है। संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु के एक से अधिक होने का या एक होने का पता चले उसे वचन कहते हैं।

शब्द के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है, उसे हिंदी व्याकरण में वचन कहते है। दूसरे शब्दों में - संख्या का बोध कराने के लिए वचन का प्रयोग होता है। संख्या का बोध करानेवाला रूप वचन कहलाता है।

जैसे : लडकी खेलती है।
लडकियाँ खेलती हैं।

वचन के भेद -

वचन के दो भेद होते हैं ।

1. एकवचन ।

2. बहुवचन ।

एकवचन

जिससे किसी एक वस्तु, पदार्थ या व्यक्ति का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। दूसरे शब्दों में संज्ञा के जिस रूप से केवल एक ही संख्या का बोध होता है, उसे एकवचन कहा जाता है।

जैसे - जूता, तारा, लड़का, बेटा, लडकी, गाय, सिपाही, बच्चा, कपड़ा, माता, पिता, माला, पुस्तक, स्त्री, टोपी, बन्दर, मोर, बेटी, घोडा, नदी, कमरा, घड़ी, घर, पर्वत, मैं, वह, यह, रुपया, बकरी, गाड़ी, माली, अध्यापक, केला, चिड़िया, संतरा, गमला, तोता, चूहा आदि।

बहुवचन

जिससे किसी दो या दो से अधिक वस्तुओं, पदार्थों या व्यक्तियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। दूसरे शब्दों में संज्ञा के जिस रूप से एक से अधिक संख्या का बोध होता है, उसे बहुवचन कहा जाता है।

जैसे - लडके, तारे, जूते, गायें, कपड़े, टोपियाँ, मालाएँ, माताएँ, पुस्तकें, वधुएँ, गुरुजन, रोटियाँ, पेंसिलें, स्त्रियाँ, बेटे, बेटियाँ, केले, गमले, चूहे, तोते, घोड़े, घरों, पर्वतों, नदियों, हम, वे, ये, लताएँ, लडकियाँ, गाड़ियाँ, बकरियां, रुपए।

विशेष

हिंदी भाषा में आदर प्रकट करने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - श्रीमान, महोदय, महाराज, साहब आदि।
आदरणीय व्यक्तियों के लिए सदैव बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - पापाजी कल मुंबई जायेंगे।

राम उदयपुर गया।

संबंध दर्शानेवाली कुछ संज्ञाएँ एकवचन और बहुवचन में एक समान रहती है। जैसे - ताई, मामा, दादा, नाना, चाचा आदि।

द्रव्यसूचक संज्ञाएँ एकवचन में प्रयोग होती है। जैसे - पानी, तेल, घी, दूध आदि।

बडप्पन दिखाने के लिए कभी-कभी वक्ता अपने लिए 'मैं' के स्थान पर हम का प्रयोग करता है। जैसे - 'हमें' याद नहीं कि हमने कभी आपसे ऐसा कहा हो।

हमने खाना खा लिया।